**हम सिर्फ़ न्याय माँग रहे थे: भारतीय कुश्ती संघ में यौन शोषण**

स्पोर्ट एंड राइट्स अलायन्स द्वारा लिखी गई रिपोर्ट

Copyright © Sport & Rights Alliance 2024

***All rights reserved.***

Published on [DATE]

Original language: English

Translated to Hindi by: Sanchita Aidasani

Printed in Switzerland

**Sport & Rights Alliance**

The Sport & Rights Alliance is a coalition hosted and operated by the World Players Association sector of UNI Global Union registered in Switzerland with an office at 8 – 10 Avenue Reverdil, 1260 Nyon.

**Main Researcher:** Dr. Payoshni Mitra (Executive Director, Humans of Sport)

**Reviewer:** Sarah Tofte

**Sport & Rights Alliance:** Andrea Florence (Director), Joanna Maranhão(Network Coordinator), Rachel Causey (Communications Coordinator)

**Human Rights Watch:** Reviewed by Minky Worden (Director of Global Initiatives), Photo/video assistance by Robbie Newton (Senior Coordinator, Asia Division)

**Network Advisory Council:** Ahmar Maiga (Mali); Jessica Shuran Yu (Singapore); Gabriela Garton (Argentina); Mary Cain (United States); Kaiya McCullough (United States)

**Photography and Videography:** Siddhartha Hajra

**Graphic Design:** Victoria Andreoli

**स्पोर्ट एंड राइट्स अलाइयन्स के बारे में**

स्पोर्ट एंड राइट्स अलाइयन्स का उदेश्य उन व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को प्रोत्साहित करना है, जो स्पोर्ट्स के संदर्भ में मानवाधिकार जोखिम से सबसे ज़्यादा प्रभावित हैं.

हमारे सहियोगियों में **एमनेस्टी इंटरनेशनल, द आर्मी ऑफ़ सर्वाइवर्स, कमेटी टू  प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स, फुटबॉल सपोर्टर्स यूरोप, ह्यूमन राइट्स वॉच, ILGA वर्ल्ड (द इंटरनेशनल लेस्बियन, गे, बायसेक्शुअल, ट्रांस एंड इंटरसेक्स एसोसिएशन), द इंटरनेशनल ट्रेड यूनियन कनफ़ेडरेशन, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल जर्मनी एवं वर्ल्ड प्लेयर्स एसोसिएशन, UNI  ग्लोबल यूनियन**, शामिल हैं।  प्रतिष्ठित एनजीओ और ट्रेड यूनियनों के वैश्विक गठबंधन के रूप में, स्पोर्ट एंड राइट्स अलाइयन्स यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करता है कि स्पोर्ट्स बौडीज़, सरकारों और अन्य भागीदार एक ऐसी स्पोर्ट्स की दुनिया को बढ़ावा दें जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों के मानक, श्रम अधिकार, बाल अधिकार, भलाई एवं सेफ़गार्डिंग (सुरक्षा), और भ्रष्टाचार विरोधी गतिविधियों को सुरक्षित, सम्मानित और समृद्ध करता है।

**रिपोर्टिंग कार्यप्रणाली**

जून 2023 में स्पोर्ट एंड राइट्स अलायन्स ने भारतीय रेसलिंग में अब्यूस की शिकायतें उठाने वाले एथलीटों पर ध्यान देना शुरू किया, और उनके हितों के लिए वकालत करना भी शुरू की।[[1]](#footnote-1) ऐसी रिपोर्ट मिलने के बाद कि एथलीट मौजूदा सुधारों से संतुष्ट नहीं हैं, उन्होंने अधिक अंतरराष्ट्रीय समर्थन का अनुरोध किया। मार्च 2024 में स्पोर्ट एंड राइट्स अलायन्स ने भारत तक का सफ़र तय किया और इस केस से जुड़े 18 से अधिक व्यक्तियों का इंटरव्यू लिया, जिनमें एथलिट, कोच, माता-पिता, गवाह, पत्रकार और समर्थक शामिल थे। इस रिपोर्ट के निष्कर्ष उन बयानों के साथ-साथ न्यूज़ रिपोर्टों, अकादमिक विशेषज्ञता और आधिकारिक पुलिस रिपोर्टों पर आधारित हैं।

सेक्शुअल हैरेसमेंट और अब्यूस का दस्तावेज़ीकरण करने के लिए बहुत अधिक ध्यान और देखभाल की आवश्यकता होती है - पीड़ितों के लिए, पाठकों के लिए और उन तमाम लोगों के लिए जो वर्तमान और भविष्य में इस रिपोर्ट से प्रभावित हो सकते हैं। मार्च 2024 में भारत में इंटरव्यू किए गये एथलीटों ने हमारे शोधकर्ता को सेक्शुअल हैरेसमेंट और अब्यूस की विस्तृत रिपोर्ट प्रदान की, जिनमें स्थान, तारीक और अब्यूसिव कृत्यों का विशिष्ट विवरण शामिल था। हालाँकि एथलीटों के घाव भरने की प्रक्रिया (हीलिंग) और गोपनीयता को प्राथमिकता देने और पाठकों के सेकेंडरी ट्राउमेटिज़ेशन (आघात) को कम करने के प्रयास में, हमने इस सार्वजनिक रिपोर्ट के लिए इन विवरणों को संशोधित करने का विकल्प चुना है। इस रिपोर्ट में जिन नामों का उल्लेख किया गया है, उन्हें स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस द्वारा इंटरव्यू किए गए एथलीटों ने स्पष्ट रूप से अधिकृत किया है। हम एथलीटों के साथ खड़े हैं और उन्होंने हम पर जो भरोसा जताया है, उसका सम्मान करते हैं। हम ट्राउमा इन्फॉर्म्ड (आघात सूचित) इन्वेस्टीगेशन करने के लिए, एथलीटों की सूचित सहमति के साथ उचित हितधारकों को आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेंगे।

**कंटेंट वॉर्निंग**

एक अनुस्मारक के रूप में, निम्नलिखित अनुभाग में खेल और पुलिस क्रूरता के संदर्भ में सेक्शुअल हैरेसमेंट और अब्यूस की घटनाओं का विवरण शामिल है।एथलीटों द्वारा दी गई सीधी और सच्ची गवाही पढ़ने से पीड़ा हो सकती है, खासकर उन व्यक्तियों के लिए जिन्हें इस तरह के अब्यूस से गुज़रना पड़ा हो। अगर आपको किसी भी भाग में, किसी भी प्रकार की असुविधा या कठिनाई महसूस हो, तो हम आपको प्रोत्साहित करेंगे की आप आगे ना बड़ें।

**स्थानीय समर्थन**

यदि आप या आपका कोई परिचित, एथलीट अब्यूस से प्रभावित हुआ है और मदद माँग रहा है तो नज़दीक के स्थानीय रिसोर्स (संसाधन) ढूँढने के लिए कृपया इस लिंक पर दिए गए मैप (मानचित्र) का उपयोग करें: <https://worldplayerscare.co/local-support>.

**अब्यूस की परिभाषा एवं प्रकार**

इस रिपोर्ट के मक़सद के लिए, स्पोर्ट में दुर्व्यवहार के प्रकारों की निम्नलिखित परिभाषाएँ अपनाई गई हैं:

**अब्यूस:** इसमें शारीरिक, यौन, भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक (सायकोलोजिकल), आर्थिक, संस्थागत व्यवहार, और किसी भी प्रकार की धमकियों का पैटर्न शामिल है जो किसी अन्य व्यक्ति को प्रभावित करते हैं। अब्यूस में भेदभाव और सूक्ष्म आक्रामकता भी शामिल है।[[2]](#footnote-2)

**सेफ़गार्डिंग:** स्पोर्ट में सेफ़गार्डिंग का अर्थ है बच्चों एवं युवाओं को अब्यूस (दुर्व्यवहार) से बचाना, नुकसान को रोकना और उनकी भलाई के लिए काम करना।

**सायकोलोजिकल (मनोवैज्ञानिक) अब्यूस/हिंसा:** : पावर विभेदित रिश्ते में जानबूझकर, लंबे समय तक, बार-बार गैर-संपर्क व्यवहार का एक पैटर्न। इस प्रकार का अब्यूस सभी प्रकार की हिंसा के मूल/जड़ में है। कुछ परिभाषाएँ भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक अब्यूस का उल्लेख करती हैं, इस मान्यता में कि मनोविज्ञान में केवल भावनाएँ ही नहीं, बल्कि संज्ञान, मूल्य और स्वयं तथा दुनिया के बारे में विश्वास भी शामिल होते हैं। मनोवैज्ञानिक अब्यूस का गठन करने वाले व्यवहार व्यक्ति के आंतरिक जीवन के सभी गहन दायरे को लक्षित करते हैं।

**सेक्शुअल अब्यूस/हिंसा**: यौन प्रकृति का कोई भी आचरण, चाहे गैर-संपर्क, संपर्क या प्रवेशन, जहां सहमति जबरदस्ती, या हेरफेर द्वारा दी गई हो, नहीं दी जाती है या नहीं दी जा सकती है।

**सेक्शुअल हैरेसमेंट:** यौन सम्बंधित कोई भी आचरण जो अनचाहा, अनिछुक्क, चाहे मौखिक, गैर-मौखिक या शारीरिक हो।

**निगलेक्ट (उपेक्षा):** किसी व्यक्ति की शारीरिक और भावनात्मक जरूरतों की पूर्ति करने में माता-पिता या देखभाल करने वालों की विफलता या किसी बच्चे को खतरे से बचाने में विफलता । यह परिभाषा कोच और एथलीट की टीम पर समान रूप से लागू होती है।

**सेफ (सुरक्षित) स्पोर्ट:** एक एथलेटिक वातावरण जो एथलीटों के लिए सम्मानजनक, उचित और सभी प्रकार की नॉन-ऐक्सिडेंटल (ग़ैर आकस्मिक) हिंसा से मुक्त हो।[[3]](#footnote-3)

**सेक्स्टॉर्शन:** यौन लाभ प्राप्त करने के लिए शक्ति का दुरुपयोग।[[4]](#footnote-4)

**सर्वाइवर:** आमतौर पर ऐसे व्यक्ति को संदर्भित किया जाता है जिसने आघात (ट्रॉमा) का अनुभव किया है और अपने जीवन में शांति हासिल करने की कोशिश करते हुए अपने घाव भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

**विसलब्लॉवर:** वह व्यक्ति जो ग़लत कार्य के संबंध में किसी व्यक्ति या संगठन को सूचित करता है।

**ट्रॉमा-इन्फोर्म्ड:** ट्रॉमा (आघात), लोगों की ज़िंदगी में जो भूमिका निभा सकता है उसे समझना और स्वीकार करना। यह एक ऐसे दृष्टिकोण को दर्शाता है जो ट्रॉमा के प्रभाव को पहचानता है, प्रतिक्रिया देता है और व्यक्तिगत और संगठनात्मक, दोनों स्तरों पर फिर से होने वाले ट्रॉमा से बचाता है।

**संघठनों के नाम और संक्षिप्ताक्षर**

IOA - Indian Olympic Association - भारतीय ओलम्पिक संघ

IOC - International Olympic Committee - अन्तरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति

UWW - United World Wrestling - यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग

WFI - Wrestling Federation of India - डब्ल्यूएफआई/भारतीय कुश्ती संघ

BJP - Bhartiya Janata Party - भाजपा

**नेटवर्क के नज़रिए से**

ऐसा खेल वातावरण जो सेफगार्डिंग के लिए प्रतिबद्ध है, उसमें किसी भी प्रकार की हानि के प्रति शून्य सहनशीलता होनी चाहिए। खेल पारिस्थितिकी तंत्र के प्रत्येक हितधारक की जिम्मेदारी है कि वे खेल में सभी प्रकार की हिंसा को समाप्त करें।

बहुत लम्बे समय तक, स्पोर्ट्स ने उन एथलीटों के लिए जो अपने करियर को आगे बढ़ाना चाहते हैं, अब्यूसर्स और उनके द्वारा किए गए अब्यूस को स्पोर्ट्स का हिस्सा मानते हुए उसे सामान्य करार कर नज़रंदाज़ किया है। इसे रोकना होगा।

किसी भी प्रकार का सेक्शुअल हैरेसमेंट या अब्यूस, पीड़ित पर विनाशकारी, स्थायी प्रभाव डाल सकता है, ख़ासकर जहां पॉवर इम्बैलन्स (असंतुलन) की स्तिथि हो ।जब इसे कम आंका जाता है, कम महत्व दिया जाता है  यहां तक ​​​​कि नकारा जाता है, तो यह अक्सर पीड़ित के उपचार और न्याय के मार्ग को अवरूध कर देता है - सभी प्रकार के अब्यूस को रोकने के लिए स्पोर्ट्स संगठनों के भीतर तुरंत आवश्यक सुधारों की मांग को कमजोर कर देता है।

भारत में उन एथलीटों, उन परिवारों और सहयोगियों के लिए, जिन्होंने साहसपूर्वक अपनी आवाज़ उठाई, जो उनसे जुड़े और उनका समर्थन किया: हम आप पर विश्वास करते हैं और आपका सम्मान करते हैं। आपको हुई तकलीफ़  के लिए हमें बेहद अफ़सोस है। हम आपकी आवाज उठाने के लिए आपको धन्यवाद देते हैं और आशा करते हैं कि यह रिपोर्ट और इस काम को मज़बूती से आगे बढ़ाएंगे, आपको अपनी उपचार यात्रा जारी रखने में आराम और समर्थन देंगे ।

एकजुटता के साथ,

स्पोर्ट एंड राइट्स अलाइयन्स

सुरक्षित खेलों के लिए एथलीट नेटवर्क

**एक्ज़ीक्यूटिव समरी**

“बजरंग, साक्षी और मैं निपुण खिलाड़ी हैं, ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी हैं और फिर भी हमें हमारी कहानी सुनाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा है। कल्पना कीजिए कि स्पोर्ट्स में एक युवा स्त्री के लिए बोलना कितना मुश्किल होगा। उनका करियर बर्बाद हो सकता है।”

-विनेश फोगाट, ओलंपिक रेसलर और कॉमनवेल्थ गेम्स चैम्पियन[[5]](#footnote-5)

अप्रैल 2024 में, भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण सिंह को पांच महिला पहलवानों के सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोप में मुकदमे का सामना करने का आदेश दिया गया था।[[6]](#footnote-6) भारतीय रेसलिंग की गवर्निंग बॉडी के प्रमुख के रूप में, सिंह वर्ष 2023 में अपने पद से हटाए जाने से पहले एक दशक से अधिक समय तक खेल के प्रभारी थे। डब्ल्यूएफआई के प्रमुख के रूप में सिंह का बारह साल का कार्यकाल कई महिलाओं और लड़कियों के अब्यूस के आरोपों से भरा रहा।[[7]](#footnote-7) सिंह के मुकदमे की खबर देश के शीर्ष ओलंपिक रेस्लर्स और उनके समर्थकों द्वारा सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक के विरोध के बाद आई है। विरोध प्रदर्शन के पहले आयोजित धरने में, ओलंपिक रेसलर और कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन विनेश फोगट ने सिंह द्वारा किए गए अब्यूस का आँकलन किया और कहा,“महिला रेसलर्स को नेशनल कैम्प में कोचों और डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने सेक्शुअली हैरस किया है। मैं नेशनल कैम्प में कम से कम 10-20 लड़कियों को जानती हूँ जिन्होंने आकर मुझे अपनी कहानियां बतायी हैं।'[[8]](#footnote-8)

अगर सिंह को मुकदमे में दोषी ठहराया भी जाता है, तभी भी भारत की महिला रेसलर्स

न्याय और सुलह से कोसों दूर हैं। स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस द्वारा किए गए इंटरव्यूज़ और समाचार रिपोर्टों के अनुसार, सिंह द्वारा किए गए अब्यूस की व्यापकता और सीमा उनके आपराधिक आरोपों से कहीं अधिक है। सिंह के खिलाफ शिकायतों में यह आरोप शामिल हैं:

* राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जूनियर और महिला प्रतियोगिताओं में महिलाओं और बालिका एथलीटों से यौन कृत्य करने की माँग करना और उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न (सेक्शुअल असॉल्ट) करना।
* प्रतियोगिता में फ़ोटोज़, ट्रेनिंग सेशंस और अन्य अवसरों के दौरान सार्वजनिक रूप से महिला और बालिका एथलीटों के अंतरंग क्षेत्रों को ज़बरदस्ती छूना।
* सेक्स्टॉर्शन, जिसमें अपने पद का दुरुपयोग कर शारीरिक संबंध बनाने की माँग करना और उन माँगों को अस्वीकार करने वाले एथलीटों को जवाबी कार्यवाही के तौर पर कम्पटीशन में भाग न लेने देना, प्रशिक्षण में न शामिल होने देना और इंजरी रिहबिलिटेशन सुविधाओं का उपयोग न करने देना।

यह केस पावर असंतुलन के नकारात्मक प्रभाव, और स्पोर्ट्स में हैरेसमेंट और अब्यूस को एक सामान्य प्रणाली में माने जाने का उदाहरण है। रेसलर्स ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस और समाचार मीडिया से डब्ल्यूएफआई के अन्य अधिकारियों, संघ के कोचों और कर्मचारियों द्वारा किए गये अब्यूस के बारे में बात की है। डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर पर भी महिला रेसलर्स के सेक्शुअल हैरेसमेंट और असॉल्ट के आरोप में मुकदमा चल रहा है। जब तक डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में सिंह के कार्यकाल का आधिकारिक, व्यापक और पारदर्शी लेखा-जोखा नहीं होता, तब तक अब्यूस के कई मामले गुप्त रहेंगे और जाँच के दायरे में नहीं आयेंगे।[[9]](#footnote-9) इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक, भारतीय स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट, मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफ़ेयर्स एंड स्पोर्ट्स द्वारा सिंह के अब्यूस की 2023 की जांच को सार्वजनिक नहीं किया गया है, ना ही वह रिपोर्ट एथलीटों के लिए उपलब्ध की गई है।

अपनी आवाज़ उठाने और न्याय मांगने के बाद, अपनी सुरक्षा और सिंह की जवाबदेही के लिए विरोध करने वाले एथलीटों को उनकी मांगों के बदले उनको हैरस किया गया, धमकियाँ दी गयीं, गिरफ़्तार कर हिरासत में लिया गया।[[10]](#footnote-10) इसमें भारतीय पुलिस के साथ-साथ सिंह (जो भारत की रूलिंग पार्टी के निर्वाचित संसद सदस्य भी थे) और उनके सहयोगियों द्वारा निशाना बनाया जाना शामिल है। जब एथलीटों ने भारतीय ओलंपिक संघ जैसे अन्य स्पोर्ट्स बौडीज़ से समर्थन मांगा, तो उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा, और उनकी जवाबदेही और सुरक्षा की मांगों पर कोई सार्थक सहयोग नहीं मिला।[[11]](#footnote-11) एक अन्य ओलंपिक मेडल विजेता रेसलर और प्रदर्शनकारी साक्षी मलिक ने कहा, “हम सभी ने अपना करियर दांव पर लगाया और कई दिनों तक धूप और बारिश में सड़कों पर सोये . . हम कुछ नहीं मांग रहे थे, हम सिर्फ न्याय मांग रहे थे।”[[12]](#footnote-12)

भारत के नेशनल स्पोर्ट्स गवर्निंग बौडीज़ महिला एथलीटों को अब्यूस से बचाने और उनकी शिकायतों का निराकरण करने, दोनों में असफल रहीं हैं। जैसा कि मलिक ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को बताया, “जब मेरे करियर की शुरुआत में उसने मुझे हैरस किया था तब मैंने अपने एक सीनियर और अपने माता-पिता को इस बारे में बताया था। मेरे माता-पिता को लगा कि शिकायत करने से मेरा करियर खत्म हो जाएगा और उन्होंने मुझे शिकायत न करने की सलाह दी। काश मुझे किसी इंडिपेंडेंट बॉडी के बारे में पता होता जहां ऐसा होने पर कोई भी शिकायत कर सकता था। यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि एथलीट हैरेसमेंट को रिपोर्ट करने में सुरक्षित महसूस करें।" चूंकि डब्ल्यूएफआई और भारतीय ओलंपिक संघ कमजोर पड़ गए हैं, इसलिए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के लिए यह आवश्यक है कि वह डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल में सिंह द्वारा किए गए अब्यूस की, उनके द्वारा रिपोर्टिंग एथलीटों को दी गई धमकियों की, हैरेसमेंट की, संघ के अधिकारियों, कोचों और कर्मचारियों द्वारा किए गये अब्यूस की शिकायतों की एक व्यापक, स्वतंत्र और ट्राउमा-इन्फॉर्म्ड जांच सुनिश्चित करें। आईओसी को अपनी "इंटीग्रिटी और कंप्लायंस हॉटलाइन" में इस प्रकार का सुधार करना चाहिए जिससे की अब्यूस को रिपोर्ट करने वाले एथलीट्स के लिए रिपोर्ट करना सरल, सुलभ, ट्रामा-इन्फोर्म्ड और किसी भी तरह के हितों के टकराव से मुक्त हो।[[13]](#footnote-13)

भारत, देश में महिला खेल को बेहतर बनाने और आगे बढ़ाने के वादे के साथ पहली बार 2036 समर ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगा रहा है।[[14]](#footnote-14) वर्ष 2030 में, भारत मुंबई में समर यूथ ओलंपिक्स की मेजबानी करेगा। भारत सरकार को सिंह और स्पोर्ट्स में अब्यूस की अन्य घटनाओं को पूरी तरह से संबोधित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी तरफ़ अन्तरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत की ओर से कोई भी बोली महत्वपूर्ण मानवाधिकार सुधारों पर निर्भर हो, जिसमें कुशल शासन, नेतृत्व में महिलाएं, सेफ़गार्डिंग सुनिश्चित करने की प्रणालियां और देश के अपने एथलीटों के लिए बोलने की स्वतंत्रता शामिल हो। वर्ष 2036 के समर ओलंपिक्स की मेजबानी की अपनी बोली में सफल होने के लिए भारत सरकार को पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एथलीट सुरक्षित हों।

**बैकग्राउंड**

रेसलिंग भारत के सबसे पुराने खेलों में से एक है, जो कई शताब्दियों से चली आ रही है, और विशेष रूप से उत्तरी भारतीय राज्य जैसे हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में लोकप्रिय है।[[15]](#footnote-15) रेसलिंग में कुल सात ओलंपिक मेडल जीते गये हैं, जो फील्ड हॉकी के बाद भारत के लिए दूसरे नंबर पर है।[[16]](#footnote-16) इसके अलावा, भारतीय रेस्लर्स ने विश्व चैम्पियनशिप में 23 मेडल जीते हैं।[[17]](#footnote-17) हालांकि इस खेल में ऐतिहासिक रूप से पुरुषों का वर्चस्व रहा है किंतु अग्रणी महिला रेस्लर्स जैसे की फ्रीस्टाइल रेस्लर गीता फोगाट जिन्होंने वर्ष 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स में रेसलिंग में भारत का पहला गोल्ड मेडल जीता था, और जो ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला रेस्लर थीं[[18]](#footnote-18) और साक्षी मलिक, जो वर्ष 2016 में ओलंपिक्स में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला रेस्लर बनीं,[[19]](#footnote-19) इन्होंने लड़कियों और युवा महिलाओं के बीच खेल की लोकप्रियता बढ़ाई।

भारतीय कुश्ती की सर्वोच्च गवर्निंग बॉडी भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) है। जनवरी 2023 में, मलिक, बजरंग पुनिया[[20]](#footnote-20) और विनेश फोगाट[[21]](#footnote-21) (साथी ओलंपिक रेस्लर्स) ने सार्वजनिक रूप से तत्कालीन डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृज भूषण सिंह, अन्य संघीय अधिकारियों और कई कोचों पर कई महिला एथलीटों को सेक्शुअली हैरस करने का आरोप लगाया।[[22]](#footnote-22) सिंह, जिन्हें 2011 में डब्ल्यूएफआई का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हिस्से के रूप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य भी थे।[[23]](#footnote-23) 30 से अधिक शीर्ष भारतीय रेसलर्स, पुरुष और महिला, और सैकड़ों समर्थकों ने मलिक, पुनिया और फोगाट के साथ मिलकर सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें भारत की राजधानी नई दिल्ली में संसद भवन के पास धरना देना भी शामिल था। फोगाट ने धरने पर अल जज़ीरा को बताया कि, “मैं अपने भाई की बेटी [9-वर्षीय] के बारे में सोचने लगी जिसने कुश्ती शुरू कर दी है।” 21 जनवरी 2023 को, रेस्लर्स ने विरोध बंद कर दिया क्योंकि सरकार ने उनसे स्वतंत्र जांच का वादा किया, और कहा कि जांच पूरी होने तक सिंह डब्ल्यूएफआई से अलग हटा दिये जाएंगे।[[24]](#footnote-24)

इन सार्वजनिक आरोपों और विरोध प्रदर्शनों की व्यापक मीडिया कवरेज ने डब्ल्यूएफआई में अपने कार्यकाल के दौरान सिंह द्वारा किए गए अब्यूस की फ़ेहरिस्त के बारे में जानकारी की एक लंबी कतार लगा दी। स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस द्वारा आयोजित इंटरव्यूज़ के साथ-साथ पुलिस और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सिंह द्वारा किए गए अब्यूस को उच्च कुश्ती समुदाय के भीतर अच्छी तरह से जाना जाता था। जो रेस्लर्स सिंह के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाना चाहते थे, उन्हें चुप रहने को कहा गया अन्यथा सिंह द्वारा प्रतिशोध का जोखिम उठाने को कहा गया। जैसा कि एक सीनियर रेस्लिंग कोच ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को बताया, “जब मैंने सुना कि महिला रेस्लर्स विरोध कर रही हैं, तो मुझे वह बात याद आ गई जो मैंने कई साल पहले सुनी थी। मैं उस समय उनका समर्थन करने के लिए ना कुछ बोल सका ना कर सका। मुझे डर था कि सिंह मुझे और मेरे परिवार को नुकसान पहुँचा सकता है।”[[25]](#footnote-25)

निम्नलिखित अनुभाग में सिंह द्वारे किए गए अब्यूस और डब्ल्यूएफआई के भीतर अन्य अब्यूस के बारे में एथलीट सर्वाइवर्स, कोचों और गवाहों की गवाही दर्ज की गई है। अब्यूस की रिपोर्ट करने वाले एथलीटों की पहचान छुपाने के लिए भारत में टूर्नामेंटों के विवरण और अन्य सेटिंग्स हटा दी गई हैं।

**कंटेंट वार्निंग**

एक अनुस्मारक के रूप में, निम्नलिखित अनुभाग में खेल और पुलिस क्रूरता के संदर्भ में सेक्शुअल हैरेसमेंट और अब्यूस की घटनाओं का विवरण शामिल है। एथलीटों द्वारा दी गई सीधी और सच्ची गवाही पढ़ने में कठिन हो सकती है, खासकर उन व्यक्तियों के लिए जिन्हें इस तरह के अब्यूस से गुज़रना पढ़ा हो। अगर आपको इस पद्य के किसी भी भाग में, किसी भी प्रकार की असुविधा या कठिनाई महसूस हो, तो हम आपको यह सलाह देंगे कि आप आगे ना बढ़ें। यदि आपको सहायता की ज़रूरत हो , तो कृपया इस लिंक पर दिये गये मैप में  उपलब्ध निकटतम सहायता केंद्र ढूँड लें:

<https://worldplayerscare.co/local-support>.

**सिंह द्वारा किए गए अब्यूस**

एथलीटों, कोचों और अन्य सूत्रों के अनुसार, बृज भूषण सिंह ने डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष के रूप में अपने बारह साल के कार्यकाल का उपयोग महिला रेस्लर्स को असॉल्ट करने, हैरस करने, धमकी देने, डराने और दंडित करने के लिए किया। यह अब्यूस डब्ल्यूएफआई के कार्यालय में, भारत और दुनिया भर में प्रतियोगिताओं के दौरान और ट्रेनिंग सेशंस में हुआ। कोचों, ट्रेनर्स और अन्य डब्ल्यूएफआई अधिकारियों सहित खेल में कई लोगों को इस अब्यूस के बारे में पता था और वे इसके साक्षी थे। मार्च 2024 में, स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस ने सिंह द्वारा किए गए अब्यूस के बारे में एथलीटों के इंटरव्यू लिए, जिसमें पीड़ित, एथलीटों के माता-पिता और  गवाह शामिल थे। निम्नलिखित गवाही उन इंटरव्यूज़ के साथ-साथ स्पोर्ट एंड राइट्स अलायंस द्वारा प्राप्त आधिकारिक पुलिस रिपोर्टों पर आधारित हैं।

**"मुझे लगा कि वह मुझे बधाई देना चाहता है": 20 वर्षीय पीड़िता**

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में सिंह के द्वारा किए अब्यूस की घटनाओं का सिलसिला तक़रीबन 10 वर्ष पहले शुरू हुआ, जब वह नौकरी के शुरुआती दौर में था। उस समय, 20 वर्षीय पीड़िता द्वारा विदेश में कुश्ती प्रतियोगिता में मेडल जीतने के बाद, सिंह ने उसे अपने कमरे में बुलाया। यह सोचकर कि सिंह उसे व्यक्तिगत रूप से बधाई देना चाहता है, वह चली गई। वहां, सिंह ने "मुझे उस बिस्तर की ओर बुलाया जहां वह बैठा था, और फिर अचानक उसने मेरी सहमति के बिना मुझे जबरदस्ती गले लगा लिया।" सिंह ने उसे कहा कि यह एक "पिता-तुल्य" भावना है। प्रतियोगिता के बाद जब एथलीट भारत लौटी, तो सिंह ने 20 वर्षीय खिलाड़ी से बात करने के लिए उसकी मां को फोन करना शुरू कर दिया। उन कॉलों पर, सिंह व्यक्तिगत प्रश्न पूछता था और उसे याद दिलाता था कि वह सिंह को बताए कि उसे उससे क्या चाहिए।उसी वर्ष, सिंह ने "यौन संबंधों" के बदले में एथलीट के लिए “नूट्रिशनल सप्पलिमेंट्स" खरीदने की पेशकश की। इस सेक्सटॉर्शन के कारण उसे स्थायी सदमा लगा और उसके खेल का प्रदर्शन खराब हुआ। सिंह ने 20 वर्षीय लड़की के घर पर इतनी बार फोन किया कि उसकी मां ने फोन का जवाब देना बंद कर दिया। "सिंह द्वारा लगातार अनुचित कृत्यों के कारण, मैं इतनी आहत और मानसिक रूप से परेशान थी कि मेरे लिए खेल पर ध्यान केंद्रित करना और विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से प्रदर्शन करना मुश्किल हो गया था।"

**"उसका एकमात्र इरादा मुझे अनुचित तरीके से छूना था": 21 वर्षीय पीड़िता**

वर्ष 2012 में शुरू हुआ यह सिलसिला डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में सिंह के पूरे कार्यकाल तक जारी रहा। पीड़ित महिलाएँ आम तौर पर अपने कॉम्पीटेटिव (प्रतिस्पर्धी) करियर की शुरुआत में युवा एथलीट्स थीं, और कुछ अब्यूस उनके जीवन में कई वर्षों तक फैले रहे। वर्ष 2016 में, एक 21 वर्षीय पीड़िता ने ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता के लिए विदेश यात्रा की। एथलीट ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को बताया कि एक रात खाने के दौरान, सिंह ने उसे अपनी खाने की मेज़ पर बुलाया, जहां वह अकेले खाना खा रहा था, और उसे छुआ। इसके परिणामस्वरूप, ओलंपिक ट्रायल के दौरान, वह कई दिनों तक न तो खा सकी और न ही सो सकी। वर्ष 2017 में, उस एथलीट को एक अन्य टूर्नामेंट की ट्रेनिंग के दौरान सर पर गंभीर चोट लगी (कन-कशन ) और वह अस्पताल में थी। फेडरेशन को उसकी चोट के बारे में जानकारी होने के बावजूद, जैसा की मेडिकल रिपोर्ट में दर्ज किया गया था, सिंह ने एथलीट को डब्ल्यूएफआई के कार्यालय में बुलाया और उसकी मेडिकल कंडिशन (चिकित्सा स्तिथी) को नज़रअंदाज़ करते हुए कहा कि उसे प्रतियोगिता में भाग ना लेने पर दंडित किया जा सकता है। पीड़िता अपने प्रेमी (बॉयफ्रेंड) के साथ पहुंची, जिसे सिंह के सचिव विनोद तोमर ने बाहर रोक दिया जबकि महिला एथलीट सिंह से उसके कार्यालय में अकेले मिली। सिंह सोफे पर एथलीट के बगल में बैठ गया, और "मेरी सहमति के बिना... मुझे अनुचित तरीके से छूना शुरू कर दिया।" अपने प्रेमी (बॉयफ्रेंड) के साथ होटल में वापस आकर, पीड़िता "बेकाबू होकर रोने लगी... उसे बुखार था... और होटल की लॉबी में बेहोश हो गई।" उसने कहा, "सिंह ने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर कर दिया।"

सिंह ने 21 वर्षीय एथलीट को फिर से डब्ल्यूएफआई के कार्यालय में बुलाया, जहां उसे टूर्नामेंट में भाग न लेने और डब्ल्यूएफआई में सुधार की आवश्यकता के बारे में सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए "माफीनामे” पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया। "जब हम बैठे थे तो वह [सिंह] अपनी टांग मेरी टांग से छू रहा था और बातें करता जा रहा था, यहां तक ​​कि उसने मेरे घुटनों को भी छुआ... उसने मेरी सांस की जांच करने के बहाने मुझे अनुचित तरीक़े से पकड़ा (ग्रोप)।" पीड़िता का सामना सिंह से वर्ष 2018, 2019 और 2020 में विभिन्न प्रतियोगिताओं में हुआ। हर बार, सिंह उसके पास आता और उसे बहुत कसकर गले लगाता, उसे छूता (ग्रोप करते हुए)। वर्ष 2020 में, सिंह ने पीड़िता के कुश्ती परिणामों पर निराशा व्यक्त करते हुए, एथलीट के पति को फोन किया और उसे कहा कि यदि उसकी पत्नी ने "सिंह से माफी नहीं मांगी" तो उसे "गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।" इन कॉलों के दौरान, सिंह ने 21 वर्षीय एथलीट से कहा कि उसे "खेल में अपना करियर तभी जारी रखने की अनुमति दी जाएगी, जब मैं आकर आरोपी [सिंह] से व्यक्तिगत रूप से मिलूं।" एथलीट ने कहा कि सिंह की ओर से लगातार दबाव और हैरेसमेंट, जिसमें इंस्ट्रुमेंटल वायलेंस[[26]](#footnote-26) शामिल था, जो अधिकारियों द्वारा किए गए नुकसान का एक सामान्य आयाम है, "मेरे लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं में ध्यान केंद्रित करना और अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से प्रदर्शन करना मुश्किल हो गया था।"

**"मैं दंग रह गई": 29 वर्षीय पीड़िता**

कई एथलीटों और पीड़ितों ने दावा किया है कि डब्ल्यूएफआई काफी हद तक सिंह के नियंत्रण में था, जो कि कोचों द्वारा सिंह के कार्यों और मांगों पर प्रतिक्रिया देने के तरीके से स्पष्ट था। भारत में वर्ष 2022 के एक टूर्नामेंट में, एक 29 वर्षीय एथलीट, और प्रतियोगिता ट्रायल के लिए चुनी गयीं अन्य रेस्लर्स एक टीम फोटो के लिए एकत्रित हुईं। लम्बी रेसलर के रूप में, एथलीट फोटो खिचवाने के लिए पिछली पंक्ति में खड़ी थी। "जब मैं… इंतज़ार कर रही थी कि अन्य रेस्लर्स अपना स्थान ले लें [फोटो के लिए], सिंह मेरे पास आकर खड़ा हो गया... [और] मुझे अचानक अपने नितंब पर एक हाथ महसूस हुआ।" जब वह मुड़ी, तो उसने देखा कि उस पर सिंह का हाथ था। जब एथलीट ने दूर जाने की कोशिश की, तो सिंह ने उसे कंधों से पकड़कर रोक लिया। महिला रेस्लर्स के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं उनका कार्यस्थल है और इस तरह का सेक्शुअल हैरेसमेंट भी सिंह द्वारा कार्यस्थल पर किया गया अब्यूस है।

अगले ट्रेनिंग कैम्प के दौरान, जिन रेस्लर्स को कैम्प से दूर रहना था, उन्हें उनके नामित कोच के माध्यम से अपनी छुट्टी का अनुरोध करना था। जब वह एथलीट छुट्टी के अनुरोध के साथ नामित कोच के पास पहुंची, तो उसे बताया गया कि उसे सिंह से अनुमति मांगनी होगी, जो एक सामान्य प्रक्रिया नहीं थी। ट्रेनिंग कैम्प के दौरान, सिंह उससे मिलने का अनुरोध करता था। जब उसने ट्रेनिंग कैम्प के कर्मचारियों को समझाया कि वह सिंह से क्यों नहीं मिलना चाहती, जिसमें उसके प्रति अनुचित व्यवहार भी शामिल था, तो एक कोच ने उससे कहा कि अगर वो सिंह से मिलने के लिए सहमत नहीं हुई तो "मुझे कैम्प से बाहर निकाल दिया जाएगा... और खेलने नहीं दिया जाएगा।"

**"हम अपने कमरे से कभी अकेले नहीं निकलते थे": 19 वर्षीय पीड़िता**

सिंह के अब्यूस इतने व्यापक थे कि महिला रेस्लर्स जब भी संभव हो उससे दूर रहना जानती थीं। एक 19 वर्षीय एथलीट छह साल तक प्रतिस्पर्धी रेस्लर रही थी जब उसने वर्ष 2022 में एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लिया था। जब वह प्रतियोगिता से पहले चैम्पियनशिप शहर में ट्रेनिंग ले रही थी, एथलीट ने कहा कि वह अब्यूस और हैरेसमेंट के लिए सिंह की प्रतिष्ठा से अवगत थी। “मैंने उससे अलग से मिलने से इनकार कर दिया क्योंकि आरोपी [सिंह] अन्य लड़कियों को भी अनुचित तरीके से छू रहा था।” जब सिंह फिर से 19 वर्षीय एथलीट के पास आया, "उसने मेरी टी-शर्ट खींची और अपना हाथ मेरे पेट से नीचे सरका दिया और मेरी साँस की जांच करने के बहाने अपना हाथ मेरी नाभि पर रख दिया।" सोफिया में प्रतियोगिता होटल में रहने के दौरान, एथलीट ने देखा कि जिस मंज़िल पर महिला एथलीटों के कमरे थे, सिंह ने भी उसी मंजिल पर अपना कमरा बुक किया था और लुंगी (एक प्रकार का सरोंग) पहनकर बरामदे में घूमता था। 19 वर्षीय एथलीट ने देखा कि "आरोपी [सिंह] से अकेले मिलने से बचने के लिए सभी महिला एथलीट जब भी अपने-अपने कमरे से बाहर निकलतीं थीं तो समूहों में ही निकलतीं थीं।"

प्रतियोगिता में, 19 वर्षीय एथलीट एक मैच के दौरान घायल हो गई थी, हालांकि उसने फिर भी सिल्वर मेडल जीता। भारत लौटने पर, "मुझे फेडरेशन के कार्यालय में बुलाया गया... जहां मेरी मुलाकात [सिंह] से हुई, जिसने मुझसे कहा कि फेडरेशन मेरे इलाज का खर्च वहन करने को तैयार है, बशर्ते कि मैं उनकी यौन इच्छाओं के आगे झुक जाऊं।" 19 वर्षीय एथलीट ने सिंह की मांगों को अस्वीकार कर दिया।

**"मेरा शरीर सदमे के कारण अकड़ गया": 20 वर्षीय पीड़िता**

सिंह द्वारा किए गए अब्यूस न केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में, बल्कि फ़ेडरेशन के कार्यालयों के भीतर भी हुए। विदेश में वर्ष  2018 के एक टूर्नामेंट के दौरान, एक 20 वर्षीय एथलीट चटाई पर स्ट्रेचिंग कर रही थी, जब सिंह “मेरे पास आया और अचानक मेरे उप्पर झुक गया, मुझे एक शॉक लगा और तब मेरे आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब उसने मेरी टी-शर्ट खींच ली और साँस चेक करने के बहाने मुझे अनुचित तरीक़े से पकड़ लिया (ग्रोप किया)।" बाद में, वर्ष 2019 में, एथलीट ने फेडरेशन की एक बैठक में भाग लिया, जिसमें वह अपने भाई को साथ लेकर आई। जब 20 वर्षीय एथलीट को सिंह के कार्यालय में बुलाया गया, तो सिंह के सचिव विनोद तोमर ने एथलीट के भाई को बाहर रूकने के लिए कहा। “जैसे ही मैंने [सिंह] कार्यालय में प्रवेश किया... कुछ अन्य व्यक्ति जो कार्यालय में मौजूद थे... उन्हें  कार्यालय छोड़ने का निर्देश दिया गया... तुरंत... अन्य व्यक्तियों के जाने पर, सिंह ने दरवाजा बंद कर दिया... मुझे अपनी ओर खींच लिया और मेरे साथ जबरदस्ती शारीरिक संपर्क बनाने की कोशिश की। मैं ऑफिस से भाग गयी।”

**"मैं सिर्फ एक जवान लड़की थी": 20 वर्षीय पीड़िता**

सिंह को मना करने पर अक्सर सज़ा और प्रतिशोध का सामना करना पड़ता था, जिसमें सिंह द्वारा डब्ल्यूएफआई के सर्वोच्च प्राधिकारी के रूप में अपनी भूमिका का उपयोग करके कुछ एथलीटों से प्रतिस्पर्धा के अवसरों को रोकना भी शामिल था। जब एक 20 वर्षीय एथलिट ने 2021 में भारत में एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ब्रोंज़ मेडल जीता, तो वह पदक समारोह का हिस्सा थी। समारोह के दौरान, सिंह एथलीट के पास आए और एक तस्वीर खिचवाने की मांग की और फिर उसे कंधों से पकड़ लिया और उसे कसकर अपनी ओर खींच लिया। जब 20 वर्षीय एथलिट उससे दूर चली गई, तो सिंह ने कहा, "क्या तुम भविष्य की प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेना चाहती?" एथलीट ने कहा कि "अपनी गरिमा बचाने" के लिए, वह पदक समारोह से भाग गई।

वर्ष 2022 में, पीड़िता, जो अब 21 साल की हो चुकी थी, उसे राष्ट्रीय चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में अपने चयन के लिए अपनी उम्र प्रमाणित करने की आवश्यकता थी। फेडरेशन उसके दस्तावेज़ों के सत्यापन का प्रभारी था। जो आमतौर पर एक सीधी प्रक्रिया है जिसे और अधिक जटिल बना दिया गया। फेडरेशन के अधिकारी जितने अन्य एथलीटों से दस्तावेज़ मांगे रहे थे, उससे कई ज़्यादा उस एथलिट से माँग रहे थे। अनुरोधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के बाद, एथलीट को फेडरेशन द्वारा बताया गया कि उसका नाम अब राष्ट्रीय चैम्पियनशिप प्रतियोगिता की चयन सूची में नहीं है। जब उसने सिंह से पूछा कि उसका नाम अब चयन सूची में क्यों नहीं है, तो उसने जवाब दिया, "मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी कि मैं तुम्हें किसी भी प्रतियोगिता में खेलने नहीं दूँगा," पीड़िता ने इसे उस बात का संदर्भ माना जो सिंह ने उसे तब कहा था जब वह पदक समारोह में से भाग आयी थी। “एक…नाज़ुक उम्र में…जब मैं अपने रेसलिंग करियर के शुरुआती चरण में थी…मुझे इस तरह की रणनीति से पीछे खींचा जा रहा था।” पीड़िता ने अपने और सिंह के बीच चल रहे मनमुटाव के बारे में बताया है। “अब भी [2023 में], जब सिंह मेरे पास होता है, तो वह मुझे घृणित निगाहों से देखता है।”

**भारत की संस्थागत प्रतिक्रियाएँ**

“भारतीय समाज अब्यूस और हैरेसमेंट को सामान्य मानता है। वे इसे तभी गंभीरता से लेंगे जब हमला (असॉल्ट) भीषण होगा। लेकिन यह वैसा ही है जैसे हम कुश्ती लड़ते हैं। चाहे हम एक अंक से हारें या दस अंक से, वह हार ही है। हमला (असॉल्ट) चाहे बड़ा हो या छोटा, हमला (असॉल्ट) ही होता है। हमारी इच्छा के विरुद्ध एक कार्य।”

-विनेश फोगाट, ओलंपिक रेस्लर और कॉमनवेल्थ गेम्स चैम्पियन[[27]](#footnote-27)

जब भारत में रेस्लर्स ने सिंह द्वारे किए गए अब्यूस के बारे में सार्वजनिक रूप से अपनी आवाज़ उठानी शुरू की, उन्होंने वर्ष 2022 के अंत और वर्ष 2023 की शुरुआत में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के माध्यम से सरकार तक अपनी शिकायतें पहुँचाने की गति बड़ा दी। ऐसे विरोध प्रदर्शनों के दबाव में, भारत के डिपार्टमेंट ऑफ़ स्पोर्ट, मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफ़ेयर्स एंड स्पोर्ट ने एक [पांच सदस्य समिति](https://thewire.in/sport/mary-kom-oversight-committee-wfi-harassment) सिंह के खिलाफ दावों की जांच के लिए नियुक्त की।[[28]](#footnote-28) सरकार ने यह भी कहा कि उसे "प्रमुख एथलीटों से जानकारी मिली है, जो प्रथम दृष्टया कुछ कार्रवाई की मांग करती है। मिनिस्ट्री का मानना है कि डब्ल्यूएफआई ने खिलाड़ियों की शिकायतों के संबंध में एवं पेशेवर तरीक़े से फेडरेशन के व्यवसाय का संचालन करने के संबंध में अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। [सरकार ने डब्ल्यूएफआई को "फेडरेशन की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रशासन और प्रबंधन" से तुरंत "दूर" रहने का आदेश दिया।](https://thewire.in/sport/mary-kom-oversight-committee-wfi-harassment)[[29]](#footnote-29)

एथलीटों ने विशेष समिति के समक्ष गवाही देने के अनुभव के बारे में स्पोर्ट एंड राइट्स अलायंस से बात की। [आठ शिकायतकर्ताओं](https://thewire.in/rights/wrestlers-protest-brij-bhushan-singh-mary-kom-oversight-committee) - सभी महिला रेस्लर्स - ने समिति के समक्ष गवाही दी। एथलीटों की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर चिंताएँ थीं।[[30]](#footnote-30) गवाही देने वालों ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को बताया कि सिंह के समर्थक, जिनमें कैमरामैन के साथ मीडिया भी शामिल थी, उनकी गवाही के दिन कार्यक्रम स्थल के बाहर इंतजार कर रहे थे। एथलीटों ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को सिंह के खिलाफ उनकी गवाही पर समिति की प्रतिक्रिया के बारे में अपने विचार भी बताए। इंटरव्यूज़ में, उन्होंने सिंह के खिलाफ आरोपों के प्रति समिति के "संदेहपूर्ण" दृष्टिकोण का वर्णन किया। उदाहरण के लिए, एथलीटों ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को बताया कि समिति केवल गवाही नहीं, बल्कि सिंह द्वारा किए गये अब्यूस का वीडियो और ऑडियो "सबूत" देखना चाहती थी। एक रेस्लर संगीता फोगट ने कहा, "समितियां ऐसे लोगों के साथ बनाई गईं जो खुद नहीं जानते थे कि सेक्शुअल हैरेसमेंट क्या है।" एक अन्य रेस्लर ने अब्यूस की अपनी गवाही के बारे में कहा की उसकी बात "सुनी नहीं गई...गलत समझी गई…और गलत अर्थ निकाला गया।"

ये पीड़ितों को दोषी ठहराने वाला रवैया, जो अपराधी के बजाय पीड़ितों को जिम्मेदार ठहराता है, यह देखभाल की नैतिकता के खिलाफ जाता है। जब एथलीटों को यह एहसास होता है कि उनकी रक्षा करने के लिए बनाई गई प्रणाली सबसे पहले उन्ही को दोषी ठहराने और अपराधियों पर विश्वास करने के लिए बनाई गई है, तो यह न केवल उन एथलीटों के ज़ख्मों पर मरहम लगाने में रुकावट डालती है अपितु जांच को आगे बढ़ाना लगभग असंभव बना देती है और अन्य बचे लोगों को रिपोर्ट करने से रोकती है। इसके बाद न्याय, जवाबदेही और अब्यूस को दोबारा होने से रोकना और भी अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

एथलीटों ने यह भी नोट किया कि उनकी गवाही के दौरान समिति की टिप्पणियों से उन्हें ऐसा मैहसूस हुआ कि समिति को ऐसा नहीं लगा की सिंह की हरकतें अब्यूस के स्तर तक बढ़ गईं थीं। जैसा कि विनेश फोगट ने स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस को समझाया, “भारतीय समाज अब्यूस और हैरेसमेंट को सामान्य मानता है। वे इसे तभी गंभीरता से लेंगे जब हमला (असॉल्ट) भीषण होगा। लेकिन यह वैसा ही है जैसे हम कुश्ती लड़ते हैं। चाहे हम एक अंक से हारें या दस अंक से, वह हार ही है। हमला (असॉल्ट) चाहे बड़ा हो या छोटा, हमला (असॉल्ट) ही होता है। हमारी इच्छा के विरुद्ध एक कार्य।”

[अप्रैल 2023](https://thewire.in/rights/wrestlers-protest-brij-bhushan-singh-mary-kom-oversight-committee) में समिति ने अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को दी लेकिन सार्वजनिक नहीं की।[[31]](#footnote-31)  समिति ने सिंह के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की सिफारिश नहीं की, हालांकि उन्होंने यह पाया कि इंटर्नल कम्पलेंट्स कमिटी स्थापित करने में डब्ल्यूएफआई की विफलता के लिए उन्हीं के कार्यस्थल पर सेक्शुअल हैरसमेंट ऑफ़ वूमेन ऐट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एंड रिड्रेसल) ऐक्ट, 2013 (पॉश)।[[32]](#footnote-32) पॉश ऐक्ट  के रूप में लोकप्रिय यह ऐक्ट, स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा या सरकारी संस्थानों सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सभी कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करता है।[[33]](#footnote-33) रेस्लर्स ने "पूरी तरह से आश्चर्य" व्यक्त किया कि समिति के सदस्य "सिंह के कार्यों को उचित ठहरा रहे थे।"[[34]](#footnote-34)

सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने में सरकार की विफलता के बाद, उनके खिलाफ सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन [फिर से शुरू हो गया](https://www.ndtv.com/india-news/wrestlers-protest-metoo-brij-bhushan-sharan-singh-pt-usha-meets-wrestlers-days-after-indiscipline-remark-4000490)।[[35]](#footnote-35) भारतीय ओलंपिक संघ, जिसने पहले कहा था कि विरोध करने वाले रेस्लर्स  "[भारत की छवि खराब कर रहे थे](https://sportstar.thehindu.com/wrestling/ioa-indian-olympic-association-president-pt-usha-wrestlers-street-protest-new-delhi-tarnishing-india-image/article66785047.ece)", उन्होंने अपना बयान बदल दिया और एथलीटों के समर्थन में सार्वजनिक बयान जारी किए।[[36]](#footnote-36) मई 2023 में, दिल्ली पुलिस ने विरोध स्थल पर कार्रवाई की, प्रदर्शनकारियों को रोका, [गिरफ्तार](https://www.bbc.com/news/world-asia-india-65743355) किया और रिहा करने से पहले कई घंटों तक जेल में रखा।[[37]](#footnote-37) दिल्ली पुलिस की कार्रवाई  से घायल होने वालों में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष [स्वाति मालीवाल](https://www.indiatoday.in/india/story/swati-maliwal-assault-case-medical-check-up-aiims-injuries-arvind-kejriwal-bibhav-kumar-2540187-2024-05-17)[[38]](#footnote-38) भी शामिल थीं। दो दिन बाद, विरोध करने वाले कुछ रेस्लर्स ने अपने पदक गंगा नदी में फेंकने और भूख हड़ताल पर जाने की धमकी दी। [एक सार्वजनिक बयान में](https://www.aljazeera.com/news/2023/5/30/indias-protesting-wrestlers-say-will-toss-medals-into-ganges), एथलीटों ने कहा, “हमारे लिए, हमारे मेडल गंगा नदी की तरह पवित्र हैं । यह पवित्र नदी हमारे मेडल्स की आदर्श संरक्षक है, न कि वह व्यवस्था जो अपराधी को बचाती है।”[[39]](#footnote-39)

जून 2023 में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अंततः नई दिल्ली पुलिस को छह महिला शिकायतकर्ताओं द्वारा सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का [आदेश](https://apnews.com/article/indian-wrestling-sexual-harassment-7f332fabd1aa789b41fbc262545de4ba) दिया।[[40]](#footnote-40) जांच के दौरान, विनेश फोगट ने बताया कि पुलिस ने शिकायतकर्ताओं की पहचान [लीक](https://www.indiatoday.in/sports/other-sports/story/identity-of-complainants-of-sexual-harassment-has-been-leaked-by-police-vinesh-phogat-2364589-2023-04-25) कर दी और डब्ल्यूएफआई अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं, प्रदर्शनकारियों और उनके परिवार वालों को धमकी दी।[[41]](#footnote-41) जांच करने के बाद, नई दिल्ली पुलिस ने [सिंह](https://www.cnn.com/2023/06/15/india/india-brij-bhushan-singh-charged-wrestlers-intl-hnk/index.html) पर हमला (असॉल्ट), पीछा करने (स्टॉकिंग) और सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया।[[42]](#footnote-42) अप्रैल 2024 में, नई दिल्ली की एक अदालत ने सिंह के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का [आदेश](https://www.ndtv.com/india-news/frame-charges-against-ex-wrestling-body-chief-brij-bhushan-delhi-court-5633227) दिया।[[43]](#footnote-43)

**ग्लोबल स्पोर्ट गवर्निंग बॉडीज़ की प्रतिक्रिया**

[मई 2023](https://uww.org/article/uww-issues-statement-wrestling-federation-india) में, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू/UWW) ने एथलीटों के समर्थन में एक बयान जारी किया, और सिंह के द्वारा किए गये अब्यूस और डब्ल्यूएफआई दोनों के विरोध करने वालों से मुलाकात की।[[44]](#footnote-44) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने नई दिल्ली में होने वाली 2024 एशियाई चैम्पियनशिप के संदर्भ में कहा, अगर भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के नेतृत्व के लिए नए चुनाव नहीं कराए तो एशियाई चैम्पियनशिप को दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा और डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया जाएगा।[[45]](#footnote-45) यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएफआई की नवगठित कार्यकारी परिषद के चुनाव होने के बाद, इस तथ्य के बावजूद कि डब्ल्यूएफआई के [नए अध्यक्ष](https://indianexpress.com/article/sports/sport-others/sanjay-singh-brij-bhushan-aide-gets-control-of-wfi-ad-hoc-committee-dissolved-9220916/) बृज भूषण सिंह के करीबी सहयोगी संजय सिंह हैं,[[46]](#footnote-46) नई दिल्ली में एशियाई चैम्पियनशिप आयोजित करने की अनुमति दी। दोनों के बीच घनिष्ठ संबंध तब स्पष्ट हो गया जब संजय सिंह ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में [अपने चुनाव का जश्न बृज भूषण सिंह के घर पर पोस्टर के साथ मनाया](https://indianexpress.com/article/opinion/editorials/express-view-wfi-elections-brij-bhushan-singh-sanjay-singh-sakshi-malik-9079218/), जिसमें लिखा था, "दब दबा तो है, दब दबा तो रहेगा।” [[47]](#footnote-47)

स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस के साथ इंटरव्यूज़ में, एथलीटों ने कहा कि उन्हें ऐसा लगा की यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने उन्हें "धोखा" दिया है, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि यूडब्ल्यूडब्ल्यू स्वयं ही मामले की जांच कराएगी और डब्ल्यूएफआई को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

[अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भी मई 2023 में रेस्लर्स के समर्थन में एक बयान जारी किया](https://www.espn.com/wrestling/story/_/id/37766456/wrestler-protest-international-olympic-committee-condemns-detention-wrestlers-urges-ioa-protect-athletes), जिसमें पुलिस हमले और विरोध करने वाले एथलीटों की हिरासत की निंदा की गई।[[48]](#footnote-48) जून 2023 में, स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस ने [सार्वजनिक रूप से](https://sportandrightsalliance.org/olympics-act-on-sexual-abuse-complaints-by-indian-athletes/) अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति से सेक्शूअल अब्यूस की शिकायतों की वास्तव में स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने का आह्वान किया।[[49]](#footnote-49) इस रिपोर्ट के लिखे जाने तक, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने ऐसा नहीं किया है।

**सुझाव**

“जब मेरे करियर की शुरुआत में उसने मुझे हैरस किया था तब मैंने अपने एक सीनियर और अपने माता-पिता को इस बारे में बताया था। मेरे माता-पिता को लगा कि शिकायत करने से मेरा करियर खत्म हो जाएगा और उन्होंने मुझे शिकायत न करने की सलाह दी। काश मुझे किसी इंडिपेंडेंट बॉडी के बारे में पता होता जहां ऐसा होने पर कोई भी शिकायत कर सकता था। यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि एथलीट हैरेसमेंट को रिपोर्ट करने में सुरक्षित महसूस करें।"

-साक्षी मलिक, ओलंपिक मेडल विजेता रेस्लर

निम्नलिखित सिफारिशें भारतीय एथलीटों की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति और इच्छाओं पर आधारित हैं। इस रिपोर्ट के ज़रिए, हमारा लक्ष्य उनकी आवाज़ को उठाना और भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में प्रणालीगत बदलाव की वकालत करना है। वर्तमान खेल प्रशासन संरचना (स्पोर्ट्स गवर्नन्स स्ट्रक्चर) को समझकर, इस सेक्शन को प्रत्येक संबंधित खेल शासी निकाय (स्पोर्ट्स गवर्निंग बॉडी) और सदस्य राज्य में विभाजित किया गया है। स्पोर्ट एंड राइट्स एलायंस न्याय और निराकरण की लड़ाई में भारतीय रेस्लर्स का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

**भारतीय सरकार के लिए**

* एथलीट द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में गोपनीय जानकारी लीक करने में नई दिल्ली पुलिस की भूमिका की जाँच करें; और
* सिंह और डब्ल्यूएफआई के खिलाफ एथलीट के सार्वजनिक, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर नई दिल्ली पुलिस की प्रतिक्रिया की जांच करें।

**मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफ़ेयर्स एंड स्पोर्ट के लिए**

* डब्ल्यूएफआई की एक विस्तृत, ट्रॉमा इन्फ़ॉर्म्ड जाँच (इन्वेस्टिगेशन) का संचालन करें, जिसमें फेडरेशन के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रशिक्षकों और नियमित रूप से रेस्लर्स के साथ मिलने जुलने वाले अन्य व्यक्तियों द्वारा किए गए किसी भी अब्यूस को शामिल किया जाए;
* भारत के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट, मिनिस्ट्री ऑफ़ यूथ अफ़ेयर्स एंड स्पोर्ट्स द्वारा, 2023 में सिंह द्वारा किए गए अब्यूस की जांच को सार्वजनिक करें;
* सुनिश्चित करें कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सभी स्पोर्ट्स बॉडीज़ के पास एथलीटस के साथ हुए अब्यूस के लिए आंतरिक शिकायत तंत्र हों; इन तंत्रों में स्वतंत्र सदस्यों को नियुक्त किया जाना चाहिए, उत्तम दर्जे की रिपोर्टिंग को शामिल किया जाना चाहिए और 2013 पॉश ऐक्ट  के दिशानिर्देशों का पालन किया जाना चाहिए;
* सार्वजनिक जागरूकता अभियान और कार्यक्रम आयोजित करें जो एथलीटों के अधिकारों, सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा दें; और
* डब्ल्यूएफआई के भीतर एथलीट अब्यूस के पैमाने और दायरे की अंतरराष्ट्रीय या अन्य राष्ट्रीय जांच में पूरा सहयोग करें।

**यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू/UWW) के लिए**

* अन्तरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के सहयोग से, डब्ल्यूएफआई की पूरी जांच करें और निष्कर्षों को सार्वजनिक करें;
* एथलीटों के बीच, अब्यूस के रिपोर्टिंग के लिए एक संसाधन के रूप में, यूडब्ल्यूडब्ल्यू के ‘सेफ रेसलिंग गाइडलाइन्स’ के बारे में जागरूकता बढ़ाएँ;
* यह ज़रूरी होना चाहिए और सुनिश्चित किया जाना चाहिए की सभी नेशनल फेडरेशन एक मज़बूत सेफगॉर्डिंग पॉलिसी अपनाए और ऐसी पॉलिसीज़ के निर्माण और विकास में एथलीटों और सर्वाइवर्स की भूमिका हो;
* कुश्ती के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर अड्मिनिस्ट्रेटिव या गवर्नन्स पदों के लिए पृष्ठभूमि की जाँच नियमित रूप से आवश्यक होनी चाहिए।

**अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के लिए**

* डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सिंह द्वारा किए गये अब्यूस, फेडरेशन के अधिकारियों, कोचों और कर्मचारियों द्वारा किए गए अब्यूस के अन्य आरोपों और जिन एथलीटों ने रिपोर्ट की, उन पर सिंह और उनके सहयोगियों द्वारा दी गयी किसी भी प्रकार की धमकी और हैरेसमेंट की एक व्यापक, स्वतंत्र और ट्रॉमा-इन्फोर्म्ड जांच सुनिश्चित करें;
* [ओलंपिक एथलीटों के लिए मौजूदा अब्यूस हॉटलाइन में सुधार करें](https://ioc.integrityline.org/),[[50]](#footnote-50) एक प्रभावी तरीक़ा स्थापित करें जहां अब्यूस के सर्वाइवर्स किसी भी प्रकार के शारीरिक, सेक्शुअल या भावनात्मक अब्यूस की रिपोर्ट कर सकें - जब राष्ट्रीय नैशनल बॉडीज़  ढंग से प्रतिक्रिया करने में असमर्थ याँ अनिच्छुक हों और विशेष रूप से जब हितों का स्पष्ट टकराव हो - और उसके निराकरण के लिए एक स्पष्ट मार्ग तक पहुंचें;
* सुनिश्चित करें कि हॉटलाइन वैध हो, अधिकारों के मुताबिक़ हो, ट्रॉमा-इन्फोर्म्ड और सर्वोत्तम रिपोर्टिंग प्रथाओं के अनुसार हो, विशेष रूप से यह:
* ना सिर्फ़ ओलिंपिक और पैरालंपिक खेलों में अपितु इनके बाहर सहित पूरे वर्ष संचालित हो;
* सर्वाइवर्स की गोपनीयता, पहचान छिपाने के विकल्प और डिजिटल एवं  भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो;
* प्रत्येक चरण के लिए एक सांकेतिक समय सीमा में एक पारदर्शी, पूर्वानुमानित जांच प्रक्रिया प्रदान करना;
* पूर्ण स्वतंत्रता हो, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल संस्थाओं सहित;
* इन्फोर्म्ड रिपोर्टिंग प्रक्रिया और उपचार यात्रा का समर्थन करने के लिए सर्वाइवर्स को न्यायसंगत संसाधनों, परामर्श और सुरक्षा से जोड़ता है;
* अनुवाद और समावेशी प्रारूपों के साथ सभी एथलीटों और मुखबिरों के लिए उपलब्ध हो;
* समाज और प्रभावित लोगों के साथ निरंतर जुड़ाव, सीखने और संवाद के साथ विकसित और संचालित किया जाता हो ; और
* एथलीटों और ओलंपिक आंदोलन के बीच अच्छी तरह से प्रचारित किया हो।
* भारत में अगले अन्तरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के [क्षेत्रीय “सेफ़गार्डिंग हब"](https://olympics.com/ioc/news/establishment-of-regional-safeguarding-hubs-in-southern-africa-and-the-pacific-islands-approved-by-ioc-eb) की स्थापना पर विचार करें, जो पीड़ितों को मनोसामाजिक समर्थन, कानूनी सहायता और अन्य सहायता के लिए स्वतंत्र मार्गदर्शन प्रदान करे;
* किसी भी मेज़बान देश या ओलंपिक के लिए बोली लगाने वाले किसी भी देश के लिए मानवाधिकार संबंधी उचित ड्यू डिलिजेंस (परिश्रम जांच), जिसमें एथलीट सेफ़गार्डिंग भी शामिल हो, की आवश्यकता होना और उसे सुनिश्चित करना; और
* एथलीट अब्यूस के पीड़ितों और सर्वाइवर्स के लिए उपचार प्रदान करने के लिए सेफ़गार्डिंग धन एकत्रित करना ।

1. Sport & Rights Alliance, “Olympics: Act on Sex Abuse Complaints by Indian Athletes,” 7 June 2023. <https://sportandrightsalliance.org/olympics-act-on-sexual-abuse-complaints-by-indian-athletes/> [↑](#footnote-ref-1)
2. United Nations, "UN Glossary on Sexual Exploitation and Abuse (English),” 2017. <https://hr.un.org/materials/un-glossary-sexual-exploitation-and-abuse-english> [↑](#footnote-ref-2)
3. The International Olympic Committee, “The IOC Consensus Statement: harassment and abuse (non-accidental violence) in sport,” 30 March 2016. <https://stillmed.olympic.org/media/Document%20Library/OlympicOrg/IOC/What-We-Do/Protecting-Clean-Athletes/Safeguarding/IOC-Consensus-Statement_Harassment-and-abuse-in-sport-2016.pdf> [↑](#footnote-ref-3)
4. Transparency International, “Sextortion in Sport,” 2022. <https://www.transparency.de/publikationen/detail/article/sextortion-im-sport> [↑](#footnote-ref-4)
5. The Print, “This Haryana coach accused a minister of sexual assault. Now her career is in shambles,” 24 May 2023. <https://theprint.in/ground-reports/this-haryana-coach-accused-a-minister-of-sexual-assault-now-her-career-is-in-shambles/1590614/> [↑](#footnote-ref-5)
6. NDTV, "’Sufficient Material Against Accused No.1’: Court Charges BJP's Brij Bhushan,” 10 May 2024.<https://www.ndtv.com/india-news/frame-charges-against-ex-wrestling-body-chief-brij-bhushan-delhi-court-5633227> [↑](#footnote-ref-6)
7. Al Jazeera, “Indian wrestlers accuse WFI chief, coaches of sexual harassment,” 19 January 2023.<https://www.aljazeera.com/news/2023/1/19/indian-wrestlers-accuse-sports-body-chief-of-sexual-harassment> [↑](#footnote-ref-7)
8. Al Jazeera, “Indian wrestlers accuse WFI chief, coaches of sexual harassment,” 19 January 2023.<https://www.aljazeera.com/news/2023/1/19/indian-wrestlers-accuse-sports-body-chief-of-sexual-harassment> [↑](#footnote-ref-8)
9. The Times of India, “Delhi court frames charges of sexual harassment against former WFI chief Brij Bhushan Singh,” 21 May 2024.<https://timesofindia.indiatimes.com/sports/more-sports/wrestling/delhi-court-charges-former-wfi-chief-brij-bhushan-sharan-singh-with-sexual-harassment-trial-to-proceed/articleshow/110300611.cms> [↑](#footnote-ref-9)
10. BBC, “Wrestlers' protest: Delhi police file rioting case after detention,” 29 May 2023.<https://www.bbc.com/news/world-asia-india-65743355> [↑](#footnote-ref-10)
11. Sportstar, “Wrestler’s streets protest tarnishing India’s image, amounts to indiscipline, says IOA President PT Usha,” 27 April 2023.<https://sportstar.thehindu.com/wrestling/ioa-indian-olympic-association-president-pt-usha-wrestlers-street-protest-new-delhi-tarnishing-india-image/article66785047.ece> [↑](#footnote-ref-11)
12. NDTV, "’Sufficient Material Against Accused No.1’: Court Charges BJP's Brij Bhushan,” 10 May 2024,<https://www.ndtv.com/india-news/frame-charges-against-ex-wrestling-body-chief-brij-bhushan-delhi-court-5633227>. [↑](#footnote-ref-12)
13. International Olympic Committee Integrity and Compliance Hotline,<https://ioc.integrityline.org/>. [↑](#footnote-ref-13)
14. Narendra Modi, “Target Olympic Podium Scheme (TOPS) : A New Dawn in Indian Sports,” 9 February 2024.<https://www.narendramodi.in/target-olympic-podium-scheme-tops-a-new-dawn-in-indian-sports-579228> [↑](#footnote-ref-14)
15. International Olympic Committee, “History of wrestling in India: from an entertainment sport to Olympic glory,” 18 October 2021. <https://olympics.com/en/news/indian-wrestling-history-legacy-olympics-medals-world-championships> [↑](#footnote-ref-15)
16. International Olympic Committee, “India at World Wrestling Championships: History and all medal winners - full list," 21 September 2023. <https://olympics.com/en/news/world-wrestling-championships-india-wrestlers-medal-winners> [↑](#footnote-ref-16)
17. International Olympic Committee, “India at World Wrestling Championships: History and all medal winners - full list," 21 September 2023. <https://olympics.com/en/news/world-wrestling-championships-india-wrestlers-medal-winners> [↑](#footnote-ref-17)
18. International Olympic Committee, "’If I stay fit, I can think of a possible return for the Olympics next year’ - Geeta Phogat,” 05 April 2020. <https://olympics.com/en/news/geeta-phogat-talks-possible-olympic-return> [↑](#footnote-ref-18)
19. *Sakshi Malik was the first Indian woman to win a wrestling medal (bronze) at the 2016 Rio Olympics and also won gold, bronze and silver medals at the 2022, 2018 and 2014 Commonwealth Games.* (International Olympic Committee, Sakshi Malik. <https://olympics.com/en/athletes/sakshi-malik>) [↑](#footnote-ref-19)
20. *Bajrang Punia won the bronze medal at the 2020 Tokyo Olympics and is the first Indian wrestler to be ranked world No. 1 in any category and the first Indian wrestler to win four World Championship medals.* (International Olympic Committee, Bajrang Punia. <https://olympics.com/en/athletes/bajrang-punia>) [↑](#footnote-ref-20)
21. *Vinesh Phogat is a two-time Olympian and holds gold medals from the 2022, 2018 and 2014 Commonwealth Games and bronze medals from the 2022 and 2019 World Championships.* (International Olympic Committee, Vinesh Phogat. <https://olympics.com/en/athletes/vinesh-phogat>) [↑](#footnote-ref-21)
22. Al Jazeera, “Indian wrestlers accuse WFI chief, coaches of sexual harassment,” 19 January 2023. <https://www.aljazeera.com/news/2023/1/19/indian-wrestlers-accuse-sports-body-chief-of-sexual-harassment> [↑](#footnote-ref-22)
23. Al Jazeera, “Indian wrestlers accuse WFI chief, coaches of sexual harassment,” 19 January 2023. <https://www.aljazeera.com/news/2023/1/19/indian-wrestlers-accuse-sports-body-chief-of-sexual-harassment> [↑](#footnote-ref-23)
24. Al Jazeera, “Indian wrestlers end protest over sexual harassment,” 21 January 2023. <https://www.aljazeera.com/news/2023/1/21/indian-wrestlers-end-protest-over-sexual-harassment> [↑](#footnote-ref-24)
25. Sport & Rights Alliance interview, 12-13 March 2024. [↑](#footnote-ref-25)
26. Vertommen, T., Decuyper, M., Parent, S., Pankowiak, A., & Woessner, M. N. "Interpersonal violence in Belgian sport today: Young athletes report". *International journal of environmental research and public health*, 2022. <https://www.mdpi.com/1660-4601/19/18/11745> [↑](#footnote-ref-26)
27. Sport & Rights Alliance interview, 12-13 March 2024 [↑](#footnote-ref-27)
28. The Wire, “Mary Kom to Head Oversight Committee That Will Probe Wrestlers' Harassment Allegations,” 23 January 2023. <https://thewire.in/sport/mary-kom-oversight-committee-wfi-harassment> [↑](#footnote-ref-28)
29. The Wire, “Mary Kom to Head Oversight Committee That Will Probe Wrestlers' Harassment Allegations,” 23 January 2023. <https://thewire.in/sport/mary-kom-oversight-committee-wfi-harassment> [↑](#footnote-ref-29)
30. The Wire, “Wrestlers' Protest | Govt-Appointed Panel Was Biased Towards BJP MP Singh: Complainants,” 10 May 2023. <https://thewire.in/rights/wrestlers-protest-brij-bhushan-singh-mary-kom-oversight-committee> [↑](#footnote-ref-30)
31. The Wire, “Wrestlers' Protest | Govt-Appointed Panel Was Biased Towards BJP MP Singh: Complainants,” 10 May 2023. <https://thewire.in/rights/wrestlers-protest-brij-bhushan-singh-mary-kom-oversight-committee> [↑](#footnote-ref-31)
32. *The PoSH Act defines workplace as including any sports institute, stadium, sports complex or competition or games venue, whether residential or not used for training, sports or other activities relating thereto.* (India, The Sexual Harassment of Women at Workplace – Prevention, Prohibition and Redressal Act, 2013, [https://lddashboard.legislative.gov.in/sites/default/files/A2013-14.pdf](https://lddashboard.legislative.gov.in/sites/default/files/A2013-14.pdf.))) [↑](#footnote-ref-32)
33. *Athletes are included here as the PoSH Act defines “employee” as a person employed at a workplace for any work on regular, temporary, ad hoc or daily wage basis, either directly or through an agent, including a contractor, with or, without the knowledge of the principal employer, whether for remuneration or not, or working on a voluntary basis or otherwise, whether the terms of employment are express or implied and includes a co-worker, a contract worker, probationer, trainee, apprentice or called by any other such name.* [↑](#footnote-ref-33)
34. The Wire, “Wrestlers' Protest | Govt-Appointed Panel Was Biased Towards BJP MP Singh: Complainants,” 10 May 2023. <https://thewire.in/rights/wrestlers-protest-brij-bhushan-singh-mary-kom-oversight-committee> [↑](#footnote-ref-34)
35. NDTV, "'PT Usha Said Comments Misinterpreted': Wrestler On 'Indiscipline' Remark," 03 May 2023. <https://www.ndtv.com/india-news/wrestlers-protest-metoo-brij-bhushan-sharan-singh-pt-usha-meets-wrestlers-days-after-indiscipline-remark-4000490> [↑](#footnote-ref-35)
36. Sportstar, “Wrestler’s streets protest tarnishing India’s image, amounts to indiscipline, says IOA President PT Usha,” 27 April 2023. <https://sportstar.thehindu.com/wrestling/ioa-indian-olympic-association-president-pt-usha-wrestlers-street-protest-new-delhi-tarnishing-india-image/article66785047.ece> [↑](#footnote-ref-36)
37. BBC, “Wrestlers' protest: Delhi police file rioting case after detention,” 29 May 2023. <https://www.bbc.com/news/world-asia-india-65743355> [↑](#footnote-ref-37)
38. India Today, “Swati Maliwal undergoes medical check-up, has internal injuries on face: Sources,” 17 May 2024. <https://www.indiatoday.in/india/story/swati-maliwal-assault-case-medical-check-up-aiims-injuries-arvind-kejriwal-bibhav-kumar-2540187-2024-05-17> [↑](#footnote-ref-38)
39. Al Jazeera, “India’s protesting wrestlers postpone tossing medals into Ganges,” 30 May 2023. <https://www.aljazeera.com/news/2023/5/30/indias-protesting-wrestlers-say-will-toss-medals-into-ganges> [↑](#footnote-ref-39)
40. AP, “Police file charges of sexual harassment against president of Indian wrestling federation,” 15 June 2013. <https://apnews.com/article/indian-wrestling-sexual-harassment-7f332fabd1aa789b41fbc262545de4ba> [↑](#footnote-ref-40)
41. India Today, “Wrestlers vs WFI: Identity of complainants of sexual harassment has been leaked by police, says Vinesh Phogat,” 26 April 2023. <https://www.indiatoday.in/sports/other-sports/story/identity-of-complainants-of-sexual-harassment-has-been-leaked-by-police-vinesh-phogat-2364589-2023-04-25> [↑](#footnote-ref-41)
42. CNN, “India’s wrestling chief charged in sexual harassment case,” 15 June 2023. <https://www.cnn.com/2023/06/15/india/india-brij-bhushan-singh-charged-wrestlers-intl-hnk/index.html> [↑](#footnote-ref-42)
43. NDTV, "’Sufficient Material Against Accused No.1’: Court Charges BJP's Brij Bhushan,” 10 May 2024, <https://www.ndtv.com/india-news/frame-charges-against-ex-wrestling-body-chief-brij-bhushan-delhi-court-5633227>. [↑](#footnote-ref-43)
44. United World Wrestling, “UWW issues statement on Wrestling Federation of India,” 30 May 2023. <https://uww.org/article/uww-issues-statement-wrestling-federation-india> [↑](#footnote-ref-44)
45. United World Wrestling, “UWW issues statement on Wrestling Federation of India,” 30 May 2023. <https://uww.org/article/uww-issues-statement-wrestling-federation-india> [↑](#footnote-ref-45)
46. The Indian Express, “Sanjay Singh, Brij Bhushan’s close aide, gets control of Wrestling Federation of India as ad-hoc committee dissolved,” 19 March 2024. <https://indianexpress.com/article/sports/sport-others/sanjay-singh-brij-bhushan-aide-gets-control-of-wfi-ad-hoc-committee-dissolved-9220916/> [↑](#footnote-ref-46)
47. The Indian Express, “Express View on WFI elections: Stranglehold of Brij Bhushan Singh,” 24 December 2023. <https://indianexpress.com/article/opinion/editorials/express-view-wfi-elections-brij-bhushan-singh-sanjay-singh-sakshi-malik-9079218/> [↑](#footnote-ref-47)
48. ESPN, “International Olympic Committee condemns treatment of wrestlers, urges IOA to protect athletes,” 31 May 2023. <https://www.espn.com/wrestling/story/_/id/37766456/wrestler-protest-international-olympic-committee-condemns-detention-wrestlers-urges-ioa-protect-athletes> [↑](#footnote-ref-48)
49. Sport & Rights Alliance, “Olympics: Act on Sex Abuse Complaints by Indian Athletes,” 7 June 2023. <https://sportandrightsalliance.org/olympics-act-on-sexual-abuse-complaints-by-indian-athletes/> [↑](#footnote-ref-49)
50. International Olympic Committee Integrity and Compliance Hotline, <https://ioc.integrityline.org/>. [↑](#footnote-ref-50)